CAREERS360

CG board Class 12 Hindi

Sample Paper

प्रादर्श प्रश्नपत्र –I
कक्षा 12वीं

विषय – हिन्दी (010)

निर्धारित समय – 03 घण्टे | अधिकतम अंक – 80

सामान्य निर्देश :–

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं – क. ख. ग.।
- यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15 –20 शब्दों में लिखिए।
- 02 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
- 03 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 –70 शब्दों में लिखिए।
- 04 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 –100 शब्दों में लिखिए।
- 05 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 –150 शब्दों में लिखिए।

CAREERS360

प्रादर्श प्रश्नपत्र –I

कक्षा 12वीं

विषय – हिन्दी

खण्ड – क

प्रश्न क्रमांक 1 :– निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

कुल अंक 12

(1×2=2)

(2×5=10)

'' सिने– जगत के अनेक नायक – नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिन्दी के माध्यम से पहचान मिली हैं। यही कारण है कि गैर– हिन्दीभाषी कलाकार भी हिन्दी की ओर आए हैं। समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेजी के आग्रही हो, लेकिन बुनियादी और जमीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिन्दी ही है। लाखों – करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे फिल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं।

छोटे परदे के आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया तो लगा हिन्दी आम भारतीय की जीवन –शैली बन गई। हमारे आद्य ग्रंथों रामायण और महाभारत को जब हिन्दी में प्रस्तुत किया गया तो सड़कों को कोलाहाल सन्नाटे में बदल गया। '' बुनियाद और हम लोग से शुरू हुआ सोप – आपेरा का दौर हो या सास – बहू धारावाहिकों का, से सभी, हिन्दी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं। कौन बनेगा करोड़पति से करोड़पति चाहे जो बने हों पर सदी के महानायक की हिन्दी हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई। सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम जैसे गैर हिन्दी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिन्दी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई। ज्ञान – गंभीर डिस्कवरी चैनल हो या बच्चों को रिझाने लुभाने वाला ' टॉम ऐड जेरी' इनकी हिन्दी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म, संस्कृति, कला, कौशल, ज्ञान विज्ञान सभी कार्यक्रम हिन्दी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं।

प्रश्न :– 1. गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

2. गैर – हिन्दी भाषी कलाकारों के हिन्दी सिनेमा में आने का कोई एक कारण लिखिए।

3. ' छोटा परदा ' से क्या तात्पर्य है? इसका आम जन –जीवन की भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा?

4. कुछ बहुप्रचलित और लोकप्रिय धारावाहिकों के उल्लेख से लेखक क्या सिध्द करना चाहते है?

5. ' सदी का महानायक ' से लेखक का संकेत किस फिल्मी सितारे की ओर है और लोगों पर इनका क्या असर हुआ?

6. फिल्म और टी. वी. ने हिन्दी के प्रचार – प्रसार में क्या भूमिका निभाई है?
संक्षेप में लिखिए।

7. ' उच्चारण ' और ' भारतीय ' शब्दों में निहित उपसर्ग और प्रत्यय को छाँट कर लिखिए।

प्रश्न क्रमांक 2 :– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

''मेरे पाँव बहुत छोटे हैं धरती बहुत बड़ी है माँ, (1×4=04)
मेरी उंगली थामे मेरे बिल्कुल पास खड़ी रह माँ
तेरा नेह कवच – कुण्डल है तेरा परस ढाल मेरी,
ऐसी थकन थका हूँ अबकी थकने लगी चाल मेरी
अंध – कूप में उतर रहा हूँ कैसी विकट घड़ी है माँ,
मेरी उंगली थामे मेरे बिल्कुल पास खडी रह माँ,
जब भी चाहा सुख से जी लूँ दुख ने आकर घेर लिया,

जितना अधिक सहा उतना ही नाम तुम्हारा टेट लिया
मरूस्थलों के तपते पथ में तू ही मेघ झड़ी है माँ,
मेरी उंगली थामे मेरे बिल्कुल पास खड़ी रही माँ
राहें जिसकी मंजिल होंगी उसको तो चलना ही होगा,
जो बसंत का अधिकारी है उसको तो जलना ही होगा,
ऋतु चक्र की हर बेला में तू ही पुष्प लही है माँ,
मेरी उंगली थामे बिल्कुल पास खड़ी रह माँ।

प्रश्न 1. माँ के स्नेह को कवच – कुण्डल क्यों कहा गया है?

2. विषम परिस्थितियों में माँ ही क्यों याद आती हैं?

3. '' मरूस्थलों के तपते पथ में तू ही मेघ झड़ी है माँ '' पंक्ति का भाव लिखिए।

4. उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए जिनका भाव है– '' जीवन में विविध अनुभवों के बीच माँ का साथ फूलों जैसा सुहाना होता है। ''

खण्ड – ख

प्रश्न क्रमांक 3:– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – (5)

1. बिन पानी सब सून।
2. राष्ट्रीय एकता।
3. साइबर अपराध का आतंक।
4. कामकाजी महिलाओं की समस्या।

प्रश्न क्रमांक 4 :– अपने क्षेत्र में एक सड़क चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे गए हैं। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण विभाग को पत्र लिखिए (5)

अथवा

अपनी शाला के प्राचार्य को पत्र लिखिए जिसमें आपके सहपाठियों के प्रशंसनीय और साहसिक कार्य के लिए उन्हें सम्मानित करने का अनुरोध हो।

प्रश्न क्रमाकं 5 :– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (1×4=4)

1. 'पेज थ्री' पत्रकारिता को क्या तात्पर्य है ?
2. फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज किसे कहते हैं?
3. जनसंचार का सबसे पहला महत्वपूर्ण तथा सार्वजानिक विस्तृत माध्यम कौन सा है ?
4. संपादकीय किसे कहते हैं?

प्रश्न क्रमांक 6 :– नाटक के मूल तीन तत्वो (अंगों) का वर्णन कीजिए। (3)

अथवा

कहानी के प्रमुख तीन तत्वो को संक्षेप में समझाइए।

प्रश्न क्रमांक 7 :– '' दीवाली मेला '' या '' स्वतंत्रता दिवस '' पर रंगारंग कार्यक्रम विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए। (3)

अथवा

' प्रकृति के रखरखाव के प्रति उदासीन आधुनिक मानव ' विषय पर फीचर लिखिए।

खण्ड – ग

प्रश्न क्रमांक 8 :– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

'' कविता एक खिलना हैं फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने।
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?
कविता एक खेल है, बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर, एक कर देने के माने
बच्चा ही जान।

प्रश्नोत्तर (2×3=6)

1. 'बिना मुरझाए महकना ' कवि ने किसके संदर्भ में कहा हैं?
2. कवि के अनुसार कविता क्या है ?
3. '' बच्चों के बहाने '' कविता को एक खेल क्यों माना गया है?

अथवा

'' सबसे तेज बौछारें गयीं भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए जोर–जोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को
चमकील इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके –
दुनिया की सबसे हलकी और रंगीन चीज उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज उड सके
बाँस की सबसे पतली कमानी उड़ सके –
कि शुरू हो सके सीटियों किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया ''

प्रश्नोत्तर :–

1. इस काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम बताइए।
2. इस काव्यांश में प्रातः काल का वर्णन किस प्रकार हुआ है ?
3. तितलियों की नाजुक दुनिया से कवि का क्या आशय हैं?

CAREERS360

प्रश्न क्रमांक 9 :– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –कुल अंक 04

'' प्रात नभ था नीला शंख जैसे (2×2=4)
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो ''

प्रश्नोत्तर –

1. काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार को पहचान कर लिखिए ?
2. काव्यांश कें भाव सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए ?

अथवा

हो जाए न पथ में रात कहीं
मंजिल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी – जल्दी चलता है।
दिन जल्दी – जल्दी ढलता है!

1. प्रस्तुत काव्यांश की रचना किस छंद में हुई है ?
(नाम लिखकर उस छंद की परिभाषा लिखिए)
2. काव्यांश में दो अलंकार है,उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए।

प्रश्न क्रमांक 10 :– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2×3=6)

1. ' बादल राग ' कविता में अस्थिर सुख पर दुःख की छाया पंक्ति में '' दुःख की छाया '' किसे कहा गया हैं और क्यों ?
2. पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है। तुलसी की यह काव्य सत्य, क्या इस समय का भी युग – सत्य है ? तर्क संगत उत्तर दीजिए।
3. शायर के अनुसार खुद का परदा खोलने से क्या आशय है ?

प्रश्न क्रमांक 11 :– निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (कोई –3)
(3×2=6)

'' एक – एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना न मधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हजरत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पति शास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी को पेड़ है जो वायुमण्डल से अपना रस खींचता है। जरूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतु जाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली है। कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और वेपरवा, पर सरस और मादक। कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे।''

1. लेखक ने शिरीष को अद्भुत अवधूत क्यों कहा है?
2. शिरीष की यह जिजीविषा हमें क्या प्रेरणा देती है?
3. लेखक ने कबीर को शिरीष के समान क्यों कहा है?
4. लेखक किस कवि को कवि मानते है?

अथवा

'' विज्ञों का कथन है निबंध लिखने के पहले उसकी रूपरेखा बना लेनी चाहिए। अतएव सबसे पहले मुझे ' दूर के ढोल सुहावने ' की रूपरेखा बनानी है। मैं सोच ही नहीं सकता कि इस विषय की कैसी रूपरेखा है। निबंध लिख लेने के बाद मैं उसका सारांश कुछ ही वाक्यों में भले ही लिख दूँ पर निबंध लिखने के पहले उसका सार दस – पाँच शब्दों में कैसे लिखा जाए ? क्या सचमुच हिन्दी के सब विज्ञ लेखक पहले से अपने – अपने निबंधों के लिए रूपरेखा तैयार कर लेते हैं? ए.जी. गार्डिनर को तो अपने लेखों के शीर्षक बनाने में ही सबसे अधिक कठिनाई होती हैं। उन्होंने लिखा है कि मैं लेख लिखता हूँ, शीर्षक देने का भार मैं अपने मित्र पर छोड़ देता हूँ। उन्होंने यह भी लिखा है कि शेक्सपीयर को भी नाटक लिखने में जितनी कठिनता न हुई होगी उतनी कठिनता नाटकों के नामकरण में हुई होगी। तभी तो घबराकर नाम न रख सकने के कारण उन्होंने अपने एक नाटक का नाम रखा ''जैसा तुम चाहो ''। इसलिए मुझसे तो यह रूपरेखा न होगी। ''

(कोई –3)

1. लेखक को सबसे ज्यादा परेशानी कब होती थी?
2. शेक्सपीयर कौन थे?
3. निबंध लेखन के पूर्व उसकी रूपरेखा बनाना आवश्यक क्यों है?
4. दूर के ढोल सुहावने होते हैं इस कहावत का अर्थ क्या हैं?

प्रश्न क्रमांक 12 :– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. व्यक्ति की निर्बलता कब प्रकट होती है? (1)
2. लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरू कोई पहलवान नही, यही ढोल हैं? (3)
3. ' नमक की पुड़िया ' ले जाने के संबंध में सफिया के मन में क्या द्वन्द्व था ? (3)
4. जाति –प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे डॉ. अंबेडकर के क्या तर्क हैं? (3)

प्रश्न क्रमांक 13 :– यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों? (4)

अथवा

' जूझ ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केन्द्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है?

प्रश्न क्रमांक 14 :– सिंधु सभ्यता साधन– संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। कैसे ?

अथवा (4)

टूटे – फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं – इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न क्रमांक 15 :– ऐन कौन थी ? उसकी डायरी को इतिहास का महत्वपूर्ण दस्तावेज क्यों माना जाता है ? (4)

अथवा

'ऐन की डायरी' में किट्टी को क्या – क्या जानकारियाँ दी है? 'डायरी के पन्ने ' पाठ के आलोक को स्पष्ट कीजिए।

CAREERS360

प्रादर्श प्रश्नपत्र –II
कक्षा 12वीं

विषय – हिन्दी

निर्धारित समय – 03 घण्टे अधिकतम अंक – 80

सामान्य निर्देश :–

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं – क. ख. ग.।
- यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15 –20 शब्दों में लिखिए।
- 02 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
- 03 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 –70 शब्दों में लिखिए।
- 04 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 –100 शब्दों में लिखिए।
- 05 अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 –150 शब्दों में लिखिए।

CAREERS360

प्रादर्श प्रश्नपत्र –II
कक्षा 12वीं
विषय – हिन्दी

समय – 03 घण्टे अधिकतम अंक –80

प्रश्न 1 :– निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

'' एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा थे। वे किसी से भीख नहीं माँगते, टोपी सिलकर अपनी गुजर–बसर करते। एक टोपी की कीमत सिर्फ दो पैसे लेते। इनमें से जो याचक पहले मिलता, उसे एक पैसा दे देते। बचे हुए एक पैसे से पेट भरते। इस प्रकार जब नेक दोनों पैंसों का सदुपयोग नहीं हो जाता, तब तक नई टोपी नहीं सिलते। भजन ही करते रहते। उनका एक धनी शिष्य था। जिसने दान के लिए कुछ रकम निकाल रखी थी। उसने एक दिन पूछा– '' गुरूदेव! मैं किसको दान करूँ ''। महात्मा ने कहा – जिसे सुपात्र समझो, उसी को दान करो। शिष्य ने रास्ते में एक गरीब अन्धे को देखा और उसे सुपात्र समझकर एक सोने की मोहर दे दी। दूसरे दिन उसी रास्ते से शिष्य फिर निकला। पहले दिन वाला अंधा एक दूसरे अंधे से कह रहा था कि कल एक आदमी ने मुझको एक सोने की मोहर दी थी, मैंने उससे खूब शराब पी।शिष्य को यह सुनकर बड़ा खेद हुआ। उसने महात्मा के पास आकर सारा हाल कहा। महात्मा उसके हाथ में एक पैसा देकर बोले – '' जा, सो सबसे पहले मिले उसी को पैसा दे देना।'' यह पैसा टोपी सिलकर कमाया हुआ था।

शिष्य पैसा लेकर निकला। उसे एक मनुष्य मिला, उसने उसे पैसा दे दिया और उसके पीछे – पीछे चलना शुरू कर दिया। वह मनुष्य एक निर्जन स्थान पर गया और अपने कपड़ो में छिपाए हुए एक मरे हुए पक्षी को निकालकर फेंक दिया। शिष्य ने उससे पूछा – ' तुमने मरे हुए पक्षी को कपड़ों में क्यों छिपाया था और अब क्यों निकाल कर फेंक दिया ? उसने कहा ' आज सात दिन से मेरे कुटुम्ब को अन्न का दाना तक नसीब नहीं हुआ। किसी के आगे हाथ फैलाकर गिड़गिड़ाना मेरी मर्यादा के विपरीत है। आज इस जगह पक्षी को पड़ा देख मैंने लाचार होकर अपनी और परिवार की भूख मिटाने के लिए उठा लिया था और इसे लेकर मैं घर जा रहा था। आपने मुझे बिना ही माँगे पैसा दे दिया इसलिए अब मुझे मरे पक्षी की आवश्यकता नहीं रही। अतएव जहाँ से उठाया था, वहीं लाकर डाल दिया। शिष्य उसकी बात सुनकर दंग–सा रह गया। उसने महात्मा के पास जाकर सब वृतान्त कहा। महात्मा बोले इससे स्पष्ट होता है कि अन्यायपूर्वक कमाया गया धन दुराचार में ही लगता है और न्यायपूर्वक कमाया गया धन हीं अच्छे काम में लगता है। ''

प्रश्न :–

(1) महात्मा अपना जीवन कैसे बिताते थे ? (2)
(2) महात्मा से किसने और क्या सलाह ली ? (1+1=2)
(3) अन्धों के बीच क्या वार्तालाप चल रही थी ? उस वार्तालाप को सुनकर किसे दुःख हुआ और क्यों ? (1+1=2)
(4) पीछा करते हुए शिष्य कहाँ पहुंचा और उसने वहाँ क्या देखा ? (1+1
(5) महात्मा अपने शिष्य को क्या सलाह देते हैं ? (2)
(6) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)
(7) निम्न का संधि विच्छेद कीजिए–
सदुपयोग, निर्जन। (1)

प्रश्न 2 :– निम्नलिखित अपठित काव्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(1×4=4)

महामहिम!
चोर दरवाजे से निकल चलिए।
बाहर
हत्यारे हैं!
बहुक्म आप
खोल दिए मैंने
जेल के दरवाजे,
तोड़ दिया था
करोड़ वर्षो का सन्नाटा!
महामहिम!
डरिये! निकल चलिये!
किसी की आँखों में
हया नहीं
ईश्वर का भय नहीं
कोई नहीं कहेगा,
'' धन्यवाद''
सबके हाथों में
कानून की किताब है।
हाथ हिला पूछते हैं
किसने लिखी थी
यह कानून की किताब ?

प्रश्न (1) कवि महामहिम को चोर दरवाजे से निकल चलने को क्यों कह रहे हैं?

(2) '' तोड़ दिया था करोड़ो वर्षों का सन्नाटा '' इस वाक्य की व्याख्या कीजिए।

(3) कोई धन्यवाद क्यों नहीं कहेगा ?

(4) किसने लिखी थी यह कानून की किताब से क्या अर्थ व्यंजित होता है ?

खण्ड – ख

प्रश्न क्रमांक 3:– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए – (5)

5. क्यों न परहेज करें हम पॉलिथीन से ?
6. सत्संगति का महत्व।
7. बढ़ती हुई जनसंख्या।
8. अध्ययन का आनंद।

प्रश्न क्रमांक 4 :– किसी दैनिक समाचार – पत्र के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें जगह – जगह आवारा घूमने वाले पशुओं की समस्या की ओर जनता और संबध्द अधिकारियों का ध्यान खींचा गया हो। (1+3+1=5)

CAREERS360

अथवा

डेंगू के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए।

प्रश्न क्रमाकं 5 :— निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए — (1×4=4)

(1) संपादन का क्या तात्पर्य है ?

(2) अच्छे संपादकीय के क्या गुण होते हैं?

(3) डेड लाइन क्या है ?

(4) समाचार लेखन के कितने अंग होते हैं ?

प्रश्न क्रमांक 6 :— नाटक एवं कहानी में तीन प्रमुख अंतर लिखिए। (1+1+1=3)

अथवा

कहानी के कोई तीन प्रमुख तत्वों को समझाइए।

प्रश्न क्रमांक 7 :— अपनी शाला के वार्षिकोत्सव पर एक प्रतिवेदन लिखिए। (3)

अथवा

'' बस्ते का बढ़ता बोझ '' विषय पर फीचर तैयार कीजिए।

खण्ड — ग

प्रश्न क्रमांक 8 :— निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (कोई—3) 3×2=6

'' मैं रोया, इसको तुम कहते हो गाना,
मैं फूट पड़ा, तुम कहते, छंद बनाना,
क्यों कवि कहकर संसार मुझे अपनाएं,
मैं दुनिया का हूँ एक नया दीवाना।
मैं दीवानों का वेश लिए फिरता हूँ।
मैं मादकता निःशेष लिए फिरता हूँ।
जिसको सुनकर जग झूम, झूके, लहराए,
मैं मस्ती का संदेश लिए फिरता हूँ।''

(1) फूट पड़ना और छंद बनाना में क्या भिन्नता है?

(2) कवि क्या कहलाना पसंद करते हैं?

(3) कवि के जीवन में क्या शेष है?

(4) कवि क्या संदेश देते हैं?

अथवा

'' प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।

CAREERS360

और.........................

जादू टूटता है इस उषा का अब

सूर्योदय हो रहा है।''

(1) भोर का आकाश किसके समान नीला था ?

(2) आकाश को राख से लिपा हुआ चौका क्यों कहा गया है?

(3) 'काली सिल' तथा ' स्लेट ' किसके प्रतीक है?

(4) गैर झिलमिल देह के हिलने से कवि किस दृश्य का चित्रण करना चाहते हैं ?

प्रश्न क्रमांक 9 :— निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए — (कोई —2)

प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए बानर निकर (2×2=4)

आइ गयऊ हनुमान जिमि करूना मँह बीर रस।।

(1) करूण रस का वीर रस में बदलने का क्या तात्पर्य है ?

(2) काव्यांश के शिल्प सौंदर्य की चर्चा कीजिए।

(3) काव्यांश में किस छंद का प्रयोग मिलता है ?

अथवा

'' दीवाली की शाम घर, पुते और सजे

चीनी के खिलौने जगमगाते लावे

वो रूपवती मुखड़े पै इक नर्म दमक

बच्चे के घरौंदे में जलाती है दिए।''

(1) इस काव्यांश का भाव — सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(2) रूबाई में प्रयुक्त बिंबों पर प्रकाश डालिए।

(3) काव्यांश के छंद एवं भाषा की विशेषता बताइए।

प्रश्न क्रमांक 10 :— निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए — (2×3=6)

(1) आसमान में रंग — बिरंगी पतंगों को देखकर आपके मन में कैसे ख्याल आते हैं? लिखिए।

(2)' हम समर्थ शक्तिवान ' और' हम एक दुर्बल को लाएंगे''। पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

(3) ' अस्थिर सुख पर दुख की छाया पंक्ति में ' दुख की छाया ' किसे कहा गया है और क्यों?

प्रश्न क्रमांक 11 :— निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए — (3×2=6)

'' एक बार की बात कहता हूँ। मित्र बाजार गए तो थे कोई एक मामूली चीज लेने पर लौटे तो एकदम बहुत से बंडल पास थे। मैंने कहा — यह क्या ?

बोले — यह जो साथ थीं।

उनका आशय था कि यह पत्नी की महिमा है। उस महिमा का मैं कायल हूँ। आदिकाल से इस विषय में पति से पत्नी की ही प्रमुखता प्रमाणित है और यह व्यक्तित्व का प्रश्न नहीं,स्त्रीत्व का प्रश्न है। स्त्री माया न जोड़े तो क्या मैं जोडूँ ? फिर भी सच सच है और वह यह है कि इस बात में पत्नी की ओट ली जाती है। मूल में एक और तत्व की महिमा सविशेष है। वह तत्व है मनीबैग, अर्थात् पैसे की गरमी या एनर्जी। पैसा पावर है। पर उसके सबूत में आस—पास माल—टाल न जमा हो तो क्या वह खाक पावर है। पैसे को देखने के लिए बैंक — हिसाब देखिए, पर माल— असबाब मकान — कोठी तो अनदेखे भी दिखते हैं। पैसे की उस ' पर्चेजिंग पावर ' के प्रयोग में ही पावर का रस है। लेकिन नहीं! लोग संयमी भी होते हैं। वे फिजूल सामान को फिजूल समझते हैं। वे पैसा बहाते नहीं हैं और बुध्दिमान होते हैं। बुध्दि और संयमपूर्वक वह पैसे को जोड़ते जाते हैं, जोड़ते जाते हैं। वह पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग की परीक्षा उन्हें दरकार नहीं है। बस खुद पैसे के जुड़ा होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है।

CAREERS360

(1) लेखक ने किस बात को पत्नी की महिमा कहा है?
(2) पैसे की पावर कैसे प्रमाणित होती है?
(3) संयमी लोगों पर पैसे के पावर का क्या प्रभाव होता है?

अथवा

'' अपनी विव्दता का प्रदर्शन करने के लिए, अपना गौरव स्थापित करने के लिए, यह आवश्यक है कि वाक्य कम से कम आधे पृष्ठ में तो समाप्त हों। बाणभट्ट ने कादंबरी में ऐसे ही वाक्य लिखे हैं। वाक्यों में कुछ अस्पष्टता होनी चाहिए, क्योंकि यह अस्पष्टता या दुर्बोधता गांभीर्य ला देती है। इसीलिए संस्कृत के प्रसिध्द कवि श्री हर्ष ने जान बुझकर अपने काव्य में ऐसी गुत्थियां डाल दी हैं जो अज्ञों से न सुलझ सके और सेनापति ने भी अपनी कविता मूढ़ों के लिए दुर्बोध कर दी है। तभी तो अलंकारों, मुहावरों और लोकोक्तियों का समावेश भी निबंधों के लिए आवश्यक बतलाया जाता है।''

(1) अपनी विध्दता का प्रदर्शन एवं गौरव स्थापित करने के लिए लेखक को क्या करना चाहिए ?
(2) ' वाक्य में अस्पष्टता होनी चाहिए' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(3) प्रसिध्द कवि हर्ष ने अपनी काव्य रचना किस प्रकार की है ?

प्रश्न 12 :– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(1) अवधूत का क्या अर्थ होता है? (1)
(2) ' गगरी फूटी बैल पियासा ' इंदरसेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखारित हुई हैं? (3)
(3) लुट्टन पहलवान की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (1+1+1 =3)
(4) चार्ली के फिल्मों की तीन विशेषताएँ बताइए। (1+1+1 =3)

प्रश्न 13 :– क्या यशोधर बाबू पुरातन पंथी चरित्र है – वर्क सहित उत्तर दीजिए। (4)

अथवा

यशोधर के बच्चों की कौन सी बात प्रशंसनीय है?

प्रश्न 14 :– '' अतीत के दबे पाँव '' पाठ के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता की चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (4)

अथवा

'जूझ' कहानी का कथानक किशोर छात्रों के लिए एक आदर्श प्रेरणा स्त्रोत है। कहानी के आधार पर चार बिंदुओं पर टीप लिखिए।

प्रश्न 15 :– 'ऐन की डायरी' एक ऐतिहासिक दौर का जीवांत दस्तावेज है इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए। (4)

अथवा

'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर बताइए कि अब महिलाओं की स्थिति में किस तरह के बदलाव आ रहे हैं?

CAREERS360